(विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध)

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश

प्रान्तीय कार्यालयः 'प्रज्ञादीप' हर्षवर्धन नगर, भोपाल-४६२००३

दूरभाषः (0755) 2761225, फैक्स-(0755) 2760491, *E- vidyabhartibpl@gmail.com, svp_vb@yahoo.co.in, www.vidyabhartimp.org*

पंजीयन क्र.-17195

पत्र क्रमांक : 182/2017 **दिनांक-13/07/2017**

प्रति

श्रीमान व्यवस्थापक/ प्राचार्य/प्रधानाचार्य महोदय

समस्त सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर मध्यभारत प्रान्त

विषयः- विद्यालय का अभिलेखागार निर्माण के संबंध में।

बंधुवर/बहिनें

सप्रेम नमस्कार।

प्रभू कृपा से सान्नद होंगे। विद्याभारती मध्यक्षेत्र में 1959 में प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर रीवा में प्रारम्भ हुआ था। धीरे-धीरे अपने सम्पूर्ण प्रान्त में योजना वट वृक्ष का स्वरूप ले चुकी। इस महायज्ञ में अनेक साधकों, कार्यकर्ताओं का जीवन तिल-तिल कर समर्पित हुआ है। विद्यालय प्रारम्भ करते समय अनेक प्रकार के संकट एवं चुनौतियाँ का समाधान हमने कुशलता पूर्वक कर योजना का विस्तार किया है। प्रान्तीय योजना एवं वरिष्ठ अधिकारियों की अपेक्षानुसार हमारे कार्य का व्यवस्थित अभिलेख तथ्यों के आधार पर निर्माण हो तथा इसमें हमारे प्रेरणा स्त्रोत अनेक कार्यकर्ता इस योजना में समर्पण भाव से संलग्न रहे उनकी स्मृतियां एवं साक्षात्कार का संग्रह हो। शिवपुरी प्रान्तीय योजना बैठक में इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। सत्र 2017-18 में अपने विद्यालय की हस्तलिखित/मुद्रित पत्रिका संलग्न पत्रक के बिन्दुओं को आधार बनाकर तैयार करना जिसका विषय **"सरस्वती शिशु मंदिर की विकास यात्रा"** हो। इस संदर्भ में विभागशः बैठकों का आयोजन होगा जिसमें प्रत्येक विद्यालय से इस कार्य हेतु निर्धारित कार्यकर्त्ता को भेजना है। अभी इस विषय की सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं से चर्चा करना व इस कार्य हेतु कार्यकर्ता का चयन करना चाहिये।

धन्यवाद्।

संलग्न है-1. साक्षात्कार विषय बिन्दु

2. अभिलेखागार हेतु आवश्यक बिन्दु

(मोहनलाल गुप्ता)
प्रादेशिक सचिव

प्रतिलिपि :-

1. मा. संगठन मंत्री/सह संगठन मंत्री महोदय की ओर सादर सूचनार्थं।
2. श्रीमान प्रान्त प्रमुख एवं समस्त विभाग समन्वयक मध्यभारत प्रान्त की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थं।

Pragyadeep-E:\2015-16\C-13/L.S.

l jLorh fo|k ifr"Bku e/; in'k

vfHky[kkxkj gr vko';d fcUn

1 स्थापना सम्बधी जानकारी

2 प्रारम्भ के समय के प्रमुख कार्यकर्ताओं का जीवन परिचय, छायाचित्र, बौद्धिक सार, प्रवास के समय के संस्मरण, प्रसंग उनके स्थान का पता।

3 कार्य में विशेष योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं का जीवन परिचय।

4 स्थापना से अभी तक अधिकारियों की कार्यकाल के अनुसार चार्ट।

5 विभिन्न स्थानों पर कार्य कैसे प्रारम्भ हुआ।

6 समाचार पत्रों में एवं विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में छपी सामग्री।

7 प्रकाशित साहित्य।

8 लीगल डाक्यूमेंट से प्रत्येक जानकारी का मिलान करना।

9 कार्य एवं कार्यक्रम सम्बधी छपे लेख।

10 अपनी छपने वाली पत्रिकाएँ।

11 विभिन्न चल चित्र, सी.डी., कैसिट।

12 मुद्रित सामग्री।

13 विशेष कार्यक्रम समारोह।

14 विख्यात विभूतियों की अपने कार्यक्रमों में उपस्थिति।

15 सामाजिक परिवर्तन / सामाजिक सरोकार / सामाजिक समरस्ता / संस्कार क्षम वातावरण के विशेष प्रसंग कार्यक्रम उदाहरण।

16 बड़े प्रकल्प की जानकारी।

17 अपने कार्य संबधी विख्यात हस्तीयों द्वारा कहे गए वाक्य संदर्भ प्रमाण सहित।

18 प्रांतीय क्षेत्रीय बैठक प्रतिवेदन वृत्त,।

19 कार्य विस्तार का तुलनात्मक वृत्त–विद्यालय, छात्र, आचार्य, पूर्णकालिक, प्रचारक, प्रवासी, उपलब्धियाँ।

20 आधार भूत विषयों की स्थापना।

21 संकट / समाधान।

22 वनवासी, ग्रामीण, नगरीय शिक्षा का उद्गम गतिविधियाँ प्रकल्पों के आयाम।

23 केन्द्रीय अधिकारी प्रवास।

24 भामाशाह जिन्होंने भूमि या स्थायी सम्पत्ति हेतु बड़ी राशि दान में दी हो।

l jLorh fo|k ifr"Bku e/;in's'k

lk{kkRdkj ftl dk fy;k tk,

fo"k;&fcUnq

1 0;fDrRo   2 ÑfrRo

1 व्यक्तित्त्व–जन्म पारिवारिक पृष्ठ भूमि स्थिति परिस्थिति शिक्षा रुचि/अरुचि।

2 कृतित्त्व–कर्मक्षेत्र में आने की प्रेरणा किससे! क्यों आए–लक्ष्य।

3 प्रेरणा पुरुष आपके कौन थे क्यों?

4 प्रारम्भ में क्या सोचा अब क्या चिन्तन।

5 क्या–क्या दायित्व एवं कार्य किए।

6 आने वाली चुनौतियाँ का कैसे उनका समाधान किया।

7 किस–किस से सम्पर्क आया उनसे क्या–क्या सीखा।

8 उनके साथ कार्य करते हुए आए अनुभव।

9 प्रवास के अनुभव।

10 प्रकल्पों के अनुभव।

11 कार्य करते हुए विधि निषेद्य।

12 अब पीछे मुढ़कर देखते हैं तो क्या–क्या लगता है।

13 आगामी पीढ़ी के कार्य कर्ताओं के विषय में क्या विचार है।

14 अपने अनुभव से उनके लिए कोई संदेश।

vkykd%&जिस व्यक्तित्त्व का हम साक्षात्कार लेने जा रहे हैं। उनके बारे में अध्ययन करके जाना अपेक्षित है।